मुंबई स्मार्ट सिटी

RNI NO: MAHHIN2015/64303

वर्ष: १० | अंक:२६ | मुंबई, २९ मार्च से ०४ अप्रैल २०२६ | संपादक:युसुफ आदम पटेल | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

पत्रकारों की सुरक्षा और कल्याण के लिए नीति बनाने की मांग, लोकसभा में उठा मुद्दा

नई दिल्ली, पत्रकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण को लेकर लोकसभा में शुक्रवार को अहम मुद्दा उठाया गया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सरकार से पत्रकारों के लिए एक समग्र और प्रभावी सुरक्षा एवं कल्याण नीति बनाने की मांग

की।

मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम से सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि पत्रकारों को रिपोर्टिंग के दौरान कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने मांग की कि पत्रकारों को यात्रा में पहले की तरह ५० प्रतिशत रियायत फिर से बहाल की जाए, जिससे उन्हें काम के दौरान सहूलियत मिल सके।

सांसद ने पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा की व्यापक व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारों के बच्चों के लिए शिक्षा में सहायता उपलब्ध कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पत्रकारों के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाएगा। सांसद चौधरी ने आवास से जुड़ी समस्याओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि पत्रकारों को आवास या प्लॉट आवंटन की सुविधा दी जानी चाहिए। उनका मानना है कि स्थायी आवास व्यवस्था पत्रकारों के जीवन को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाएगी। इसके अलावा सांसद चौधरी ने नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स में रियायत देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लगातार यात्रा करनी पड़ती है, ऐसे में यह राहत उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगी। साथ ही, बदलते समय के साथ पत्रकारिता के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए उन्होंने एआई आधारित जर्नलिज्म के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की भी आवश्यकता बताई।

कौन हैं तेजिंदर सिंग तिवाना?

जो पांच साल बिना वेतन और भत्ते के मुंबई में बतौर पार्षद करेंगे काम

मुंबईः मुंबई में बीएमसी के बीजेपी पार्षद तेजिंदर सिंग तिवाना ने बड़ा फैसला लिया है। तिवाना ने बतौर नगरसेवक (पार्षद) बीएमसी से मिलने वाले वेतन और भत्ते को नहीं लेने का फैसला किया है। तिवाना ने इस संबंध में मुंबई की मेयर रितु तावड़े को एक पत्र सौंपा है। तिवाना मुंबई के वार्ड ४७ के पार्षद हैं। तेजिंदर सिंग तिवाना ने जनहित का हवाला देते हुए पूरा वेतन और भत्ते महापौर निधि को समर्पित करेन का ऐलान किया है। गौरतलब हो कि मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के एक पार्षद (नगरसेवक) को वर्तमान में प्रति माह लगभग २५,००० से ३०,००० रुपये का मासिक मानदेय मिलता है। यह वेतन नहीं बल्कि सार्वजनिक सेवा के लिए दिया जाने वाला मानदेय है। इसके अलावा कुछ भत्ते भी हैं। इसमें महासभा, स्थायी समिति या अन्य समितियों की बैठकों में शामिल होने के लिए प्रति बैठक लगभग ५०० से १,००० रुपये का भत्ता अलग से दिया जाता है।

बिना किसी वेतन के करूंगा सेवा

तेजिंदर सिंग तिवाना बीएमसी के नगरसेवक हैं। उन्हें स्थायी और विधि समिति सदस्य के तौर पर

स्थान मिला है। वह मुंबई में बीजेपी के युवा चेहरों में शामिल हैं। तिवाना के लिए तमिनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने भी प्रचार किया था। तिवाना ने एक बयान में कहा है कि नगरसेवक का अर्थ ही है कि जो नगर की सेवा करे, और यह सेवा निस्वार्थ भाव से होनी चाहिए। तिवाना के अनुसार जनसेवा मेरे लिए एक संकल्प है। मेरा मानना है कि जनप्रतिनिधि का पहला कर्तव्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाना है। इसी भावना से मैंने अपने पूरे कार्यकाल का मानधन और सभी भत्ते महापौर निधि को समर्पित करने का निर्णय लिया है।'

कौन हैं तेजिंदर सिंग तिवाना ?

१ सितंबर १९८५ को पैदा हुए तेजिंदर सिंग तिवाना मुंबई में बीजेपी के यंग फेस हैं। उनके समर्थक प्यार से 'तेजु' भी कहते हैं। वह मुंबई युवा मोर्चा के अध्यक्ष भी हैं। तेजिंदर मुंबई में युवाओं से जुड़े मुद्दों, स्थानीय नागरिक समस्याओं और पार्टी के प्रचार-प्रसार में काफी सक्रिय रहते हैं। तेजिंदर सिंग तिवाना ने वार्ड ४७ मलाड से लड़कर जीत हासिल की थी। उन्होंने बड़े अंतर से विजय प्राप्त की थी। तेंजिदर सिंह तिवाना ने १३,८५८ वोटों से विपक्ष के उम्मीदवार को शिकस्त दी थी। मुंबई बीएमसी चुपनावों में बीजेपी के ८९ पार्षद जीते थे। एक वरिष्ठ महिला पार्शद के निधन से अभी ८८ पार्षद हैं। बीजेपी बीएमसी में शिंदे की शिवसेना के साथ मिलकर बहुमत में है।

अजित पवार के बाद अधूरा रहा विलय मुद्दा फिर गरमाया, शेलके ने जताई एकता की उम्मीद

स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव के दौरान दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस के विलय को लेकर चर्चा शुरू की थी। लेकिन उनके अचानक विमान दुर्घटना में निधन के बाद यह

मुद्दा अधूरा रह गया। कुछ समय तक इस विषय पर चर्चा जरूर तेज रही, लेकिन दोनों पक्षों की ओर से ठोस पहल न होने के कारण यह मामला ठंडा पड़ गया। अब एक बार फिर इस मुद्दे ने जोर पकड़ लिया है। विधायक सुनील शेलके ने दोनों राष्ट्रवादी कांग्रेस कांग्रेस गुटों गुटों के विलय की संभावना जताते हुए कहा है कि अभी भी देर नहीं हुई है और यदि सकारात्मक कदम उठाए जाएं तो दोनों दल एक हो सकते हैं। सुनील शेलके ने भावुक होते हुए कहा कि वर्तमान में काम करते समय अजीत पवार की कमी बहुत महसूस हो रही है। वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि उनके उत्तराधिकारी के रूप में सुनेत्रा पवार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि यदि उनके नेतृत्व में दोनों राष्ट्रवादी गुट एक होते हैं, तो यह स्वागत योग्य कदम होगा।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक सुनील शेलके ने कहा कि यदि सुनेत्रा पवार का नेतृत्व शरद पवार गुट के नेताओं को स्वीकार्य हो और दोनों दल एक साथ आते हैं, तो यह गर्व की बात होगी। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी का विस्तार हो रहा है, तो सभी को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। जिन नेताओं को सुनेत्रा पवार का नेतृत्व स्वीकार्य नहीं होगा, वे अन्य दलों का रुख कर सकते हैं। अगर उनके नेतृत्व में दोनों गुट एकजुट होते हैं, तो इससे उन्हें खुशी होगी।

कंबोज की दावत में ठाकरे हुए 'मोहित', आघाडी में हलचल, सुप्रिया का डैमेज कंट्रोल, अलर्ट मोड में शिंदे गुट

मुंबई, राजनीति में 'कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता', यह कहावत महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर सच साबित होती दिख रही है। इसका प्रमाण भाजपा के फायरब्रांड नेता और दिग्गज व्यवसायी मोहित कंबोज की बेटी मिश्का कंबोज के १६वें जन्मदिन पर देखने को मिला। मुंबई के एक आलीशान पंचतारांकित होटल में आयोजित इस दावत में वैसे तो राजनीति, बॉलीवुड और व्यापार जगत की तमाम दिग्गज हस्तियां शामिल हुईं, लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियां शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे की उपस्थिति ने बटोरीं। कंबोज की पारिवारिक दावत (कार्यक्रम) पर आदित्य ठाकरे का 'मोहित' होना अर्थात पहुंचना राज्य के सियासी गलियारों में नई अटकलों को जन्म दे चुका है।

कंबोज और ठाकरे परिवार के बीच संघर्ष

मोहित कंबोज और ठाकरे परिवार के बीच का संघर्ष जगजाहिर रहा है। महाविकास आघाडी सरकार के दौरान कंबोज ने तत्कालीन सरकार और विशेषकर ठाकरे गुट पर तीखे हमले किए थे। इतना ही नहीं, २०२२ में जब शिवसेना में फूट पड़ी, तब कंबोज को बागी विधायकों के साथ गुवाहाटी में भी देखा गया था। ऐसे 'कट्टर विरोधी'

के निमंत्रण पर आदित्य ठाकरे का वहां पहुंचना और मिलिंद नार्वेकर की मौजूदगी ने विशेषज्ञों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या पर्दे के पीछे भाजपा और ठाकरे गुट के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं?

इस भव्य समारोह में केवल आदित्य ठाकरे ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मनसे प्रमुख राज ठाकरे, सुप्रिया सुले, श्रीकांत शिंदे और आशीष शेलार जैसे दिग्गज नेता भी शामिल थे। उद्योग जगत से अनंत अंबानी और बॉलीवुड से शाहरुख खान, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ जैसे सितारों ने भी शिरकत की, लेकिन, विपक्षी खेमे से आदित्य ठाकरे और सुप्रिया सुले की मौजूदगी ने महाविकास आघाडी के भीतर भी हलचल पैदा कर दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या शिंदे गुट और भाजपा के बीच कथित अनबन के बीच ठाकरे गुट भाजपा के साथ संवाद के सेतु बना रहा है?

संजय राउत का बचाव और सांस्कृतिक तर्क

इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर मचे बवाल और ट्रोलिंग के बीच शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने मोर्चा संभाला है। राउत ने इसे 'डैमेज कंट्रोल' के तौर पर देखते हुए स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति में व्यक्तिगत और सार्वजनिक शिष्टाचार अलग होते हैं। उन्होंने कहा, 'राजनीतिक शत्रुता अपनी जगह है, लेकिन मंगल कार्यों में शामिल होना हमारी परंपरा है। इसे राजनीतिक गठबंधन के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। '

खारघर में १२७ पेड़ काटने के प्रस्ताव पर बवाल पर्यावरणविदों ने जताया कड़ा विरोध

खारघर में भूमिगत बिजली केबल बिछाने के लिए १२७ पेड़ों को काटने या स्थानांतरित करने के सिडको के प्रस्ताव के खिलाफ पर्यावरणविदों और नागरिक समूहों ने तीव्र विरोध जताया है।

एमएसईटीसीएल और एमएसईडीसीएल डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से जुड़े इस प्रोजेक्ट की जानकारी एक अपेक्षाकृत कम चर्चित अखबार में प्रकाशित नोटिस के माध्यम से दी गई थी।

सिडको ने आपत्तियां आमंत्रित की थी, जिसकी अंतिम तिथि शुक्रवार को समाप्त हो गई। पेड़ों को ऐसे देखा जा रहा है, जैसे वे स्कूल के बच्चों के बढ़े हुए बाल हों, जब चाहो काट दो, वे फिर उग आएंगे, सिडको की पेड़ काटने की योजना पर तीखी नाराजगी व्यक्त की जा रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई से पर्यावरण असंतुलन पैदा हो सकता है, इसके प्रभावों को आसानी से

सुधारा नहीं जा सकेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इससे भविष्य में बड़े पैमाने पर पेड़ कटाई को बढ़ावा मिलने का खतरा है, उन्होंने कहा कि पेड़ों का प्रत्यारोपण और क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण अवसर प्रभावी साबित नहीं होते। इसलिए वैकल्पिक योजना अपनाएं।

नेट कनेक्ट फाउंडेशन ने एवरी ट्री मैटर अभियान शुरू कर जनमत और नीतिगत ध्यान आकर्षित करने की पहल की है। संस्था ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि सिडको, एनएमएमसी, एमएमआरडीए और बीएमसी सहित सरकारी एजेंसियां हरित आवरण बढ़ाने पर ध्यान दें, न कि उसे कम करें। खारघर हिल एंड वेटलै फोरम की संयोजक ज्योति नाडकर्णी ने अपनी आपत्ति में इस प्रस्ताव को कम से कम कहें तो बेहद आपत्तिजनक बताया, उन्होंने कहा कि जिन पेड़ों को हटाने का प्रस्ताव है, वे लंबे समय से मौजूद हरित क्षेत्र का हिस्सा है, जो तापमान नियंत्रित करने, वायु गुणवत्ता सुधारने और जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी भरपाई आसान नहीं है।

बांग्लादेशी के नाम पर लीगल फेरीवालों को परेशान करना बंद करें, बीएमसी और पुलिस कर्मियों को संजय निरुपम ने चेताया

मुंबईः शिंदे सेना के नेता व पूर्व सांसद संजय निरुपम ने मुंबई पुलिस और बीएमसी कर्मियों को चेताया है कि वे बांग्लादेशी के नाम पर कानूनी फेरीवालों को परेशान करना बंद करें। अगर उन्हें सचमुच बांग्लादेशी को पकड़ना है तो वे लेदर और टेक्सटाइल फैक्ट्रियों, जरी (कढ़ाई) इंडस्ट्री और बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन स्थल पर जाकर जांच पड़ताल करें। आज फेरीवालों के साथ जो हो रहा है उसकी संपूर्ण जानकारी जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को देंगे। गुरुवार को मुंबई मराठी जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन की प्रेस कॉन्फ्रेंस में निरुपम ने कहा कि मुंबई पुलिस और बीएमसी मिलकर पिछले २ महीनों में मुंबई के फेरीवालों पर कार्रवाई कर रहे हैं। क्या वे बताएंगे कि अब तक कितने गैर-कानूनी बांग्लादेशी हॉकरों के खिलाफ कार्रवाई की है ? उन्हें इसकी जानकारी सबूत के साथ सार्वजनिक करनी चाहिए। फेरीवालों के संबंध में बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला अहम और ऐतिहासिक है। बॉम्बे हाई कोर्ट का ऑर्डर देखने के बाद बीएमसी और मुंबई पुलिस को हॉकरों के बारे में उचित हल निकालना चाहिए। आखिर स्ट्रीट वेंडर एक्ट अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया ? सन २०१४ के एक्ट के मुताबिक, टाउन वेंडिंग कमेटी बनाने की जिम्मेदारी

पूरी तरह से बीएमसी की है। कोर्ट के आदेश के बावजूद बीएमसी ने इसे नजरअंदाज किया। आज १२ साल बाद भी कमेटी नहीं बनी है। शिंदे सेना के नेता संजय निरुपम ने आरोप लगाया कि असल में बीएमसी और पुलिस चाहती हैं कि हॉकरों की समस्या ऐसे ही बनी रहे। फेरीवालों को टारगेट करना गलत है और ईमानदारी से बिजनेस करने वाले हजारों परिवारों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

संपादकीय

इजरायल- ईरान युद्ध से वैश्विक आर्थिक महामंदी?

अमेरिका-इजराईल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण सारी दुनिया के देश आर्थिक महामंदी के शिकार होने जा रहे हैं। इस मंदी का बड़ा असर होने जा रहा है। जिसकी कल्पना कर पाना भी संभव नहीं है। एक माह से चल रहे, इस युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति वैश्विक स्तर पर प्रभावित हुई है। ईरान की हार्मोज में नाकाबंदी के बाद दुनिया के सभी देशों का संकट बढ़ता जा रहा है। महंगाई बढ़ रही है, ऊर्जा संकट का असर कारोबार और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है, जिसके कारण बेरोजगारी भी तेजी के साथ बढ़ रही है। कच्चे तेल और गैस के दाम लगातार बढ़ने से सभी देशों की अर्थ व्यवस्था गड़बड़ा रही है। इसका असर सरकारों के राजस्व पर भी देखने को मिल रहा है। आम जनता महंगाई और बेरोजगारी से बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। महंगाई के कारण आम लोग अपने जीवन की जरूरी चीजों को नहीं खरीद पा रहे हैं। भारत सरकार ने पहली बार अर्थव्यवस्था को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार को अपने बजट को संशोधित करना पड़ेगा। युद्ध खत्म होने के स्थान पर और भी तेज होता जा रहा है। दुनिया भर के देशों में इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है। कच्चे तेल की सप्लाई घटकर मात्र १० फ़ीसद रह गई है। जिसके कारण सारी व्यवस्था वैश्विक स्तर पर गड़बडा गई है। सारी दुनिया के देशों की आर्थिक स्थिति आउट ऑफ कंट्रोल हो रही हैं। इसका असर शेयर बाजार और बैंकिंग व्यवस्था पर भी देखने को मिलने लगा है। शहरों की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पेट्रोल, डीजल, गैस और बिजली संकट का असर सभी क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराईल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु के सिर में जिस तरह से युद्ध का पागलपन सवार है, इसका असर सारी दुनिया के देशों पर पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही टैरिफ-वार के माध्यम से सारी दुनिया के देशों में हड़कंप मचाया। जिसका असर महंगाई और अर्थव्यवस्था पर पड़ा। ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका में भी महंगाई और बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ ३३०० से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो रहा है। करीब ९० लाख लोग सड़कों पर उतर आए हैं। अमेरिका की जनता ट्रंप से नाराज है। डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी के सांसद भी नाराज हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से युद्ध को भड़का रहे हैं, रोजाना तरह-तरह के बयान दे रहे हैं, उसके बाद सारी दुनिया में उन्हें एक साइको और पागल नेता के रूप में देख रही है। ट्रंप के अहंकार से स्थितियां और भी विकराल होती जा रही हैं। इस युद्ध में जिस तरह से अमेरिका के खिलाफ रूस, चीन, ईरान, उत्तर कोरिया सहित सैकड़ों देश अमेरिका के विरोध में खड़े हो गए हैं। उत्तर कोरिया ने अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल इंजन का सफल परीक्षण कर लिया है।

सभी देशों में युद्ध का असर पड़ रहा है।

अभिजीत राणे लिहितात- मध्यपूर्वेतील युद्धामुळे भारताला गॅस पुरवठा

मीरा-भायंदर में सनसनीखेज वारदातः काला जादू के शक में बुजुर्ग का अपहरण व बेरहमी से पिटाई

नवघर पुलिस ने किया चार आरोपी गिरफ्तार, एक अब भी फरार

मीरा-भायंदरः अंधविश्वास से जुड़ी एक चौंकाने वाली घटना में ६२ वर्षीय बुजुर्ग का अपहरण कर उसके साथ बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस प्रकरण में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है।

पीड़ित सुरेश सोलंकी (६२), निवासी भायंदर, का कुछ दिन पहले आरोपियों ने ऑनलाइन ऐप के जरिए गाड़ी बुक कर जबरन अपहरण कर लिया। गाड़ी में बैठाने के बाद आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की, आंखों में मिर्च पाउडर डाला और चाकू से हमला करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि आरोपियों को सोलंकी पर काला जादू करने का शक था।

घटना के बाद आरोपी पीड़ित को नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र के पास छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद सोलंकी ने नवघर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए काशिमीरा क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

इस मामले में धीरज कोळी ने कहा, 'प्रारंभिक जांच में यह मामला अंधविश्वास और काला जादू के संदेह से जुड़ा प्रतीत होता है। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।'

पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या पीड़ित को किसी कथित तांत्रिक अनुष्ठान के लिए निशाना बनाया गया था। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है, जबकि आगे की जांच जारी है।

आरोपी अभिनेता विशाखापत्तनम से गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच यूनिट 1 पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मीरा रोड हत्याकांड का खुलासा

मीरा-भायंदरः मीरा रोड में घरेलू सहायिका की हत्या के मामले में मीरा-भायंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए आरोपी को विशाखापत्तनम से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अभिनेता आशीष मेश्राम घटना के बाद फरार होने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, यह घटना 25 मार्च 2026 को हुई, जब मृतका सुमन कांबले मीरा रोड (पूर्व) स्थित चंद्रेश एकॉर्ड बिल्डिंग, सिल्वर पार्क में काम के लिए गई थीं। आरोपी, जो कि एक छोटा-मोटा अभिनेता बताया जा रहा है, आशीष मेश्राम ने महिला पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया। इससे नाराज होकर और पूर्व में हुए विवाद की रंजिश रखते हुए आरोपी ने धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी।

मृतका के बेटे सागर कांबले की शिकायत पर मीरा रोड पुलिस थाने में बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन का तकनीकी विश्लेषण किया, जिससे आरोपी की पहचान और उसके फरार होने के रास्ते का पता चला। आरोपी मुंबई से ट्रेन और बस के जरिए पहले हैदराबाद और फिर विशाखापत्तनम पहुंच गया था। पुलिस ने तकनीकी जानकारी के आधार पर 27 मार्च को विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन के बाहर बस स्टॉप से उसे गिरफ्तार कर लिया।

संदीप डोईफोडे, उपायुक्त (गुन्हे) ने कहा, 'यह एक गंभीर अपराध था, इसलिए कई टीमों को तुरंत तैनात किया गया। तकनीकी विश्लेषण और समन्वित प्रयासों के जरिए आरोपी को विभिन्न राज्यों में ट्रैक कर समय पर गिरफ्तार किया गया।'

वहीं, सुशील कुमार शिंदे, पुलिस इंस्पेक्टर, इंचार्ज क्राइम ब्रांच यूनिट 1 ने बताया, 'सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल ट्रैकिंग इस मामले में अहम साबित हुई। लगातार लोकेशन बदलने के बावजूद हमारी टीम ने दो दिनों के भीतर आरोपी को पकड़ लिया।'

फिलहाल आरोपी को आगे की जांच के लिए मीरा रोड पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

एलपीजी संकट से इडली-वड़ा बनानी वाली 70 प्रतिशत दुकानें बंद

मुंबई : मुंबई में बिकने वाले अधिकांश इडली, वड़े और डोसा धारावी की गलियों में बसे छोटे - छोटे घरों और इंडस्ट्री में बनते हैं। लेकिन एलपीजी की कमी के चलते अब 70 प्रतिशत बिज़नेस ठप पड़ चुके हैं। इसमें घरों में बनाने वाले छोटे व्यवसाय से लेकर इडली इंडस्ट्री दोनों शामिल ही। बिज़नेस मालिकों से बात करने पर पता चला कि उनके इंडस्ट्री और दुकानों में काम करने वाले 80 फीसदी लोग अपने गांव का रुख कर चुके हैं।

इडली बनाने वाली 6 कंपनियां बंद

होलसेल इडली विक्रेता राज नादर ने बताया कि उनके पास एक होटल भी है , जहां 10 कर्मचारी काम करते थे, फिलहाल 2 ही बचे है। रसोई गैस की किल्लत शुरू होने के बाद से 8 गांव जा चुके हैं। बता दें कि धारावी में 6 कंपनियां ऐसी हैं, जो दिन में 50 000 से 1 लाख इडली बनाती हैं। मुंबई के अलग-अलग इलाकों के वेंडर उनसे इडली ले जाते और बेचते हैं। अब एलपीजी सिलिंडर की कमी ने इस बिज़नेस को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। इनमे से 4 कंपनियों में ताला लग चुका है।भौगोलिक संदर्भ

12 मार्च से ही पड़ने लगा था इफेक्ट

बता दें कि धारावी की दुकानें बंद होना शुरू हो चुकी थीं। बिज़नेस करने वालों ने उत्पादन की संख्या में कमी की थी। उस वक्त भी एलपीजी के कमी के चलते संचालक परेशान थे और अब उनकी यह समस्या ज्यादा बढ़ गई है। दुकानदारों का कहना है कि उन्हें दुकान का किराया देना होता है। काम करने वाले लोगों को पगार देना होता है। यहां तो इतनी काला बाजारी चल रही है कि घर के लिए सिलिंडर मिलना मुश्किल हो चुका है। इस वजह से बहुत से मुंबईकरों को उनका पसंदीदा नाश्ता नहीं मिल पा रहा है।

स्थानीय समाचार

घर से छोटा व्यवसाय करने वालों का कहना है कि अब 15 दिनों से ज्यादा हो चुका है। जो उम्मीद थी वो भी ख़तम हो चुकी है। बच्चों का एग्जाम ख़तम होते ही हम गांव चले जाएंगे। स्थिति सुधरने पर ही लौटेंगे।

'मुझे हटाकर स्टारकिड्स को लिया गया'

कृति सेनन ने हाल ही में बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी राय दी। उन्होंने माना कि उनके करियर में कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें किसी स्टार किड के लिए हटाया गया। कृति के अनुसार, स्टार किड्स के लिए इंडस्ट्री के दरवाजे जल्दी खुल जाते हैं और मौके आसानी से मिलते हैं, लेकिन आखिर में कलाकार का हुनर ही उसे आगे ले जाता है। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका खुद का कोई फिल्मी कनेक्शन नहीं था, इसलिए शुरुआत में उन्हें मुंबई में खुद को खोया हुआ महसूस करना लाजमी था। हालांकि, पहली फिल्म से ही इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया और उन्हें अपनाया। उन्होंने यह भी कहा कि नेपोटिज्म हर फील्ड में है, लेकिन मेहनत करने वाले देर-सवेर अपनी मंजिल पा ही लेते हैं। एक्ट्रेस ने साफ किया कि अगर उनका बच्चा एक्टिंग में आए, तो रास्ते आसान होंगे, लेकिन लंबी रेस का घोड़ा वही बनता है, जिसमें काबिलियत होती है। आखिर में दर्शक तय करते हैं कि कौन सुपरस्टार बनेगा।

रोहित ने पहले ही मैच में 550 छक्के पूरे किये, कई रिकार्ड भी अपने नाम किये

मुम्बई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 सत्र के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही अपने 550 छक्के लगा दिये। इस दौरान रोहित ने कई अन्य रिकार्ड भी बनाये। रोहित ने केवल 23 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। ये उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक भी रहा है। उन्होंने यह अर्धशतक पावरप्ले के अंदर ही पूरा कर लिया। इस पारी में तीन छक्के लगाते ही रोहित ने टी20 क्रिकेट में अपने 550 छक्के भी पूरे किये। इसके साथ ही वह टी20 में 500 से ज्यादाछक्के लगाने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी व विश्व के 9वें खिलाड़ी बन गये हैं।

इस पारी के दौरान ही रोहित ने केकेआर के खिलाफ अपने 1100 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ ही केकेआर के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले मुम्बई के खिलाड़ी बन गये हैं। रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 50वीं बार 50 से अधिक स्कोर बनाया। इसके साथ वह ऐसा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने। विराट कोहली के बाद वह दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं जिसने इतने अधिक अर्धशतक लगाये हैं।

बाइक में 200, कार में 2000 इस जिले में बन गया नियम

इतने से ज्यादा नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ के बीच जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है. अब दोपहिया वाहनों में 200 रुपए और चार पहिया वाहनों में 2000 रुपए तक ही पेट्रोल-डीजल भरवाने की अनुमति दी गई है. यह कदम भीड़ को नियंत्रित करने और सभी नागरिकों तक ईंधन की समान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है. जिला आपूर्ति अधिकारी प्रवीण फुलारी ने कहा कि जिले में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है. सोशल मीडिया पर फैल रही किल्लत की खबरें पूरी तरह अफवाह हैं. लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है.

अफवाहों की वजह से भीड़ बढ़ी

पिछले कुछ दिनों से ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोशल मीडिया पर ईंधन की कमी की बातें सामने आईं. इसके बाद बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल पंपों पर पहुंचने लगे और अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने लगे. स्थिति यह हो गई कि सामान्य तौर पर कम मात्रा में ईंधन लेने वाले लोग भी अधिक पेट्रोल-डीजल भरवाने लगे, जिससे लंबी कतारें और अव्यवस्था पैदा हो गई. इसको देखते हुए छत्रपति संभाजीनगर जिला प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अस्थायी रूप से पेट्रोल-डीजल वितरण की सीमा तय कर दी. दोपहिया वाहनों को अब एक बार में सिर्फ 200 रुपए तक का तेल मिलेगा. वहीं चार पहिया वाहनों को 2000 रुपए तक का तेल मिलेगा.

ईरान ने अमेरिका को दिया बड़ा दर्द! ऊएए अब्राहम लिंकन को बनाया निशाना, बोला- क्रूज मिसाइलों से किया हमला ग्लोबल टेंशन के बीच रूस को लगा है तगड़ा झटका, सीधे 40 फीसदी कम हो गया एक्सपोर्ट

बोतल और कैन में पेट्रोल लेने पर पर रोक

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने बोतलों या कैन में पेट्रोल-डीजल देने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है. अधिकारियों का कहना है कि घरों में ईंधन का भंडारण करना खतरनाक हो सकता है. इसलिए केवल वाहन की टंकी में ही ईंधन भरवाया जाए. प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और अन्य जरूरी सेवाओं के लिए ईंधन की आपूर्ति बिना किसी बाधा के जारी रहेगी. साथ ही सभी पेट्रोल पंपों को अपने उपलब्ध स्टॉक की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं.

वहीं पेट्रोल पंप संचालकों के अनुसार, सप्लाई में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है और डिपो में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन अफवाहों के चलते लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं, जिससे पंपों पर दबाव बढ़ रहा है. डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफीसर छत्रपति संभाजीनगर प्रवीण फुलारी ने कहा कि, लोग अनावश्यक भीड़ न करें और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर विश्वास न करें. जिले में ईंधन की कोई कमी नहीं है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है.

मजदूरों की आवाज को मजबूत करने के लिए हमेशा एकजुट, हमेशा तैयार

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी और धड़क कामगार यूनियन के संस्थापक महासचिव तथा भारतीय जनता पार्टी कामगार आघाड़ी के अध्यक्ष अभिजीत राणे जी ने मजदूरों के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान मजदूरों के अधिकारों, उनके न्याय और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रशासन के सामने मजबूती से अपनी बात रखी गई।

कल्याण में 'पुणे' जैसा कांडः नाबालिग की तेज रफ्तार कार ने ली व्यवसायी की जान, मां पर FIR, पिता की तलाश जारी

महाराष्ट्र के कल्याण से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ एक नाबालिग की चंद मिनटों की लापरवाही ने शहर के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी की जान ले ली। कल्याण के रिंग रोड पर हुई इस टक्कर ने न केवल एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि नाबालिगों को वाहन सौंपने वाले अभिभावकों की जिम्मेदारी पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। यह घटना 'पुणे पोर्शे कांड' और दिल्ली की हालिया दुर्घटनाओं की याद दिलाती है, जहाँ रसूख और लापरवाही के मेल ने मासूमों या निर्दोषों की जान ली।

व्यावसायी श्रीनिवास तंडाले, जो अपनी फिटनेस के प्रति सजग थे, हर रोज की तरह बुधवार सुबह चंदोरी रिंग रोड पर साइकिलिंग कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें इतनी जोरदार टक्कर मारी कि तंडाले हवा में उछलकर दूर जा गिरे। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि टक्कर के समय कार की गति सामान्य से कहीं अधिक थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अस्पताल ले जाने का मौका भी नहीं मिला और तंडाले ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जांच में सामने आया है कि कार चलाने वाला लड़का मात्र १७ वर्ष का है। वह घर से बिना बताए कार की चाबी लेकर 'जॉयराइड' के लिए निकला था। खड़कपाड़ा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार जब्त कर ली है और नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए नाबालिग की मां, कामिनी योगेश पांडे के खिलाफ केस दर्ज किया है, वहीं पिता के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। कानून के मुताबिक, नाबालिग को वाहन उपलब्ध कराना अभिभावकों के लिए जेल की सजा का प्रावधान रखता है।

स्थानीय नागरिकों और साइकिलिंग ग्रुप में इस घटना को लेकर भारी रोष है। साइकिलिंग ग्रुप की सदस्य डॉ. रहनुमा ऐत शमुद्दीन ने बताया कि रिंग रोड पर पहले सुरक्षा के लिहाज से बैरिकेड्स लगाए गए थे, जिन्हें कुछ समय पहले हटा दिया गया। बैरिकेड्स हटने के बाद से यह सड़क रईसजादों और नाबालिगों के लिए 'स्पीड ट्रैक' बन गई है। मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग करने वालों की सुरक्षा की मांग को लेकर गुरुवार को स्थानीय नागरिक और साइकिलिस्ट बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मीरा रोड अग्निकांडः मंत्री प्रताप सरनाईक का सख्त रुख

२४ घंटे में पीडितों को राहत देने और दोषियों पर कार्यवाई का अल्टीमेटम. वार्ड नंबर ६ में ४६ अवैध निर्माणों पर ताबड़तोड़ कार्यवाई

मीरा रोडः मीरा रोड के प्लेज़ेंट पार्क क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड के बाद महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने प्रशासन की कार्यशैली पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को २४ घंटे के भीतर प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने का अल्टीमेटम दिया है।

२४ मार्च की रात कृष्णस्थल कॉम्प्लेक्स के पास स्थित एक फर्नीचर एवं मंडप डेकोरेशन गोदाम में लगी आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास की चार इमारतें प्रभावित हुईं। इस हादसे में कई मध्यमवर्गीय परिवारों के घर और उनका सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

घटनास्थल का दौरा करने पहुंचे मंत्री सरनाईक ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा, 'अगले २४ घंटों के भीतर सभी प्रभावित घरों का पंचनामा पूरा होना चाहिए। राहत देने में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।'

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि आग लगने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां ४० से ५० मिनट की देरी से पहुंचीं, जिसके कारण आग और भड़क गई। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए मंत्री ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

मंत्री सरनाईक ने इस घटना के लिए महापालिका की लापरवाही और अवैध निर्माणों को जिम्मेदार ठहराते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ घरों के जलने की घटना नहीं है, बल्कि आम लोगों के सपनों का विनाश है। जब तक हर पीड़ित को न्याय और सहायता नहीं मिलती, मैं शांत नहीं बैठूंगा।' उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पूरी मजबूती के साथ प्रभावित नागरिकों के साथ खड़ी है और उनके पुनर्वास के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

ठाणे स्टेशन पर सतर्क यात्री ने ₹५४,००० के मोबाइल की चोरी रोकी, चोर गिरफ्तार

ठाणे (इस्माईल खान): एक तेज़-तर्रार पैसेंजर की वजह से ठाणे रेलवे स्टेशन पर एक शातिर मोबाइल चोर पकड़ा गया। यह घटना प्लेटफॉर्म नंबर २ पर हुई, जब यात्री कल्याण जाने वाली लोकल ट्रेन में चढ़ने की तैयारी कर रहे थे। शिकायतकर्ता, सुशांत दीपक गमरे (२६), दिवा के रहने वाले और नवी मुंबई में एक बैंक कर्मचारी, रात करीब ९:०० बजे अपनी ट्रेन का इंतज़ार कर रहे थे। जैसे ही ट्रेन आई और प्लेटफॉर्म पर भीड़ हो गई, समीर अहमद शेख (३५) नाम के संदिग्ध ने गमरे की जेब काटने की कोशिश की। अपनी जेब में हाथ देखकर, गमरे को तुरंत पता चल गया कि उसका मोबाइल फोन चोरी हो रहा है। उसने तुरंत कार्रवाई की, चोर का सामना किया और साथी पैसेंजर की मदद से उसे भागने से रोका। ग्रुप ने शेख को सफलतापूर्वक पकड़ लिया और उसे ठाणे रेलवे पुलिस को सौंप दिया।

अधिकारियों ने संदिग्ध के पास से लगभग ₹५४,००० कीमत का एक महंगा मोबाइल फोन बरामद किया। कुर्ला के रहने वाले शेख पर ऑफिशियली चार्ज लगाया गया है। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अर्चना दुसाने की देखरेख में पुलिस अब जांच कर रही है कि क्या आरोपी का सेंट्रल लाइन पर हुए दूसरे पिकपॉकेटिंग मामलों से कोई कनेक्शन है।

बिजली बिल का नाम बदलने के बहाने बुजुर्ग महिला से २५ लाख की ठगी

मुंबई (फरियाद अली) : अंधेरी इलाके में रहने वाली ७८ साल की एक बुजुर्ग महिला ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गई। ठग ने बिजली बिल पर नाम बदलने के बहाने उनके बैंक खाते से २५ लाख रुपये से ज्यादा निकाल लिए। यह घटना तब हुई जब महिला केरल में अपने रिश्तेदारों से मिलने गई थी। महिला ने १० मार्च को बिजली बिल में नाम बदलवाने के लिए अर्जी दी थी। अगले दिन उन्हें एक व्हाट्सएप कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को बिजली कंपनी का कर्मचारी बताया। उसने नाम बदलने की फीस के तौर पर सिर्फ १३ रुपये मांगे। इसके बाद ठग ने ई-केवाईसी पूरा करने के नाम पर महिला के व्हाट्सएप पर एक फाइल भेजी। महिला ने जैसे ही वह फाइल डाउनलोड की, ठग को उनके मोबाइल फोन का पूरा कंट्रोल मिल गया। इसके बाद ठग ने महिला से क्रेडिट कार्ड की जानकारी और पासवर्ड मांगा। कुछ ही देर में उनके खातों से २५ लाख रुपये से ज्यादा कट गए। ठगी का अहसास होने पर महिला ने तुरंत १९३० हेल्पलाइन पर जानकारी दी। २१ मार्च को मुंबई वापस आने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

पुणे नगर निगम का १५,००० करोड़ रुपये का बजट वास्तविकता से बहुत दूर है

पूर्व महापौर प्रशांत जगताप ने पीएमपी के घाटे पर गंभीर आरोप लगाए

पुणे नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान, कांग्रेस पार्षद और पूर्व महापौर प्रशांत जगताप ने सत्ताधारी दल की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 15,669 करोड़ रुपये का बजट 'वास्तविकता से बहुत दूर' है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आंकड़ों का जाल बुनकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। जगताप के अनुसार, भले ही प्रशासन ने बड़ा बजट पेश किया हो, लेकिन नगर निगम की राजस्व क्षमता संभवतः 12,000 करोड़ रुपये तक ही सीमित रहेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार में सत्ता में होने के बावजूद, राज्य सरकार को अभी तक लगभग 4,000 करोड़ रुपये की जीएसटी और सब्सिडी राशि प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वैश्विक स्थिति के कारण निवेश में कमी आने पर नगर निगम के राजस्व पर और भी बुरा असर पड़ सकता है। जगताप ने सत्ताधारी पार्टी पर संपत्ति कर छूट के मुद्दे पर 'धोखाधड़ी' का आरोप भी लगाया। चुनाव से पहले उन्होंने 500 वर्ग फुट तक के मकानों को संपत्ति कर से छूट देने का वादा किया था। हालांकि, उनके अनुसार, वास्तविकता में केवल महिलाओं के नाम पर दर्ज संपत्तियों को छूट देकर 'भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है'। उनका मानना है कि यह जनता के साथ सीधा धोखा है।

जगताप ने पीएमपीएल की वित्तीय स्थिति पर भी गंभीर सवाल उठाए। 2007 में, 9 लाख यात्रियों पर केवल 16 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में, 11 लाख यात्रियों को ले जाने के बावजूद, घाटा 830 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएमपीएल यात्रियों की सेवा के लिए नहीं, बल्कि ठेकेदारों का पेट भरने के लिए चलाई जा रही है।

जगताप ने चेतावनी दी कि शहर की बढ़ती आबादी के कारण भविष्य में पानी की कमी गंभीर हो जाएगी। 1991 में लगभग 20 लाख की आबादी के लिए बनाई गई जल आपूर्ति प्रणाली अब 95 लाख से अधिक लोगों के लिए ही चल रही है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि पिछले कई वर्षों में जल व्यवस्था पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने बजट पर चर्चा के लिए केवल दो दिन दिए जाने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि जो चर्चा पहले सात दिनों तक चलती थी, अब उसे जल्दबाजी में निपटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्षदों के साथ कम धनराशि देकर भेदभाव किया जा रहा है और सत्ताधारी दल को 'खूनी' राजनीति से बचने की सलाह दी।

जोधपुर एयरपोर्ट एक महीने रहेगा बंद, 29 मार्च से 28 अप्रैल तक उड़ानें रद्द रहेंगी

जोधपुर, राजस्थान के जोधपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। यहां 29 मार्च से 28 अप्रैल तक एक महीने के लिए सभी कॉमर्शियल उड़ानों का संचालन बंद रहेगा। इस दौरान रोजाना संचालित होने वाली करीब 14 घरेलू उड़ानें रद्द रहेंगी, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार, 29 मार्च से पहले शनिवार को दोपहर 1:40 बजे मुंबई के लिए अंतिम फ्लाइट रवाना होगी। इसके बाद एयरपोर्ट पर न केवल व्यावसायिक विमानों, बल्कि फाइटर जेट्स का संचालन भी अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा। एयरपोर्ट बंद होने का मुख्य कारण रनवे की मरम्मत और तकनीकी उन्नयन कार्य है। भारतीय वायुसेना ने इसके लिए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया है। नोटम के अनुसार, 29 मार्च की शाम 6:30 बजे से 27 अप्रैल की शाम 6:30 बजे तक एयरपोर्ट पूरी तरह बंद रहेगा। इस अवधि में किसी भी सिविल फ्लाइट का संचालन नहीं होगा। इस फैसले का सीधा असर कई प्रमुख शहरों की हवाई कनेक्टिविटी पर पड़ेगा। जोधपुर से दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पुणे, बेंगलुरु और अहमदाबाद के लिए सीधी उड़ानें प्रभावित होंगी। नियमित यात्रियों और पर्यटकों को इससे खासा झटका लगेगा। वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर यात्रियों को अब पास के एयरपोर्ट्स का सहारा लेना होगा। इसके लिए जयपुर, किशनगढ़, उदयपुर और अहमदाबाद से यात्रा करनी पड़ेगी।

ईद के मौके पर मालवणी 7 नंबर बड़ी मस्जिद में दिखा भाईचारे का संदेश
उक्त अवसर पर नगरसेवक वीरेंद्र चौधरी, अजमल भाई व फिरोज भाई के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

मालवणी रामनवमी शोभा यात्रा विवादः

बयानबाजी से गरमाया माहौल, सादिक खान का पलटवार

मुंबई । मालाड पश्चिम (मालवनी)

रामनवमी के अवसर पर मुंबई के मालाड पश्चिम स्थित मालवनी इलाके में निकाली गई शोभा यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई, लेकिन इसके बाद आई बयानबाजी ने राजनीतिक और सामाजिक माहौल को गरमा दिया है। यात्रा में हजारों लोगों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, पूरा आयोजन शांति और भाईचारे के साथ सम्पन्न हुआ।

हालांकि, महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे के एक बयान ने विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि 'हिंदू त्योहारों के बीच जो भी बाधा बनेगा, उसे पाकिस्तान भेजने की तैयारी है।' इस बयान के बाद इलाके में तनाव और बहस का माहौल बन गया।

सादिक खान की कड़ी प्रतिक्रिया

इस बयान पर कांग्रेस नेता सादिक खान ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहाः 'इस तरह के नफरती भाषण युवाओं को गुमराह कर रहे हैं और समाज में जहर घोलने का काम कर रहे हैं।' उन्होंने मुंबई पुलिस से मामले में संज्ञान लेने और कार्रवाई की मांग भी की।

स्थानीय लोगों ने बताई जमीनी हकीकत

स्थानीय नागरिकों का कहना है किः रामनवमी और हाल ही में मनाई गई ईद दोनों त्योहार शांति और भाईचारे के साथ मनाए गए दोनों समुदायों ने एक-दूसरे का सहयोग किया. इस तरह के भड़काऊ बयान सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाते हैं

एक स्थानीय निवासी ने कहा किः 'अगर हर त्योहार इसी तरह शांति से मनाया जाए, तो किसी भी तरह का विवाद पैदा ही नहीं होगा।'

पुलिस की भूमिका पर सवाल– कुछ लोगों ने यह भी कहा कि कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुलिस प्रशासन को ऐसे भड़काऊ बयानों पर तुरंत रोक लगानी चाहिए थी, ताकि माहौल खराब न हो।

अब आगे क्या? शोभा यात्रा भले ही शांतिपूर्ण तरीके से खत्म हो गई हो, लेकिन बयानबाजी ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि शर्ल्स इदत्म इस मामले में क्या कार्रवाई करती है।

संजय राउत का बड़ा हमलाः ईरान का जहरीला धुआं भारत में मचाएगा तबाही, मोदी सरकार की चुप्पी खतरनाक

शिवसेना (UBT) के कद्दावर नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एक बार फिर केंद्र सरकार की विदेश नीति को कटघरे में खड़ा कर दिया है। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष और ईरान पर हो रहे हमलों को लेकर राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पूरी दुनिया और खाड़ी देश इस संकट पर अपना रुख स्पष्ट कर रहे हैं, तब भारत की चुप्पी रहस्यमयी और चिंताजनक है।

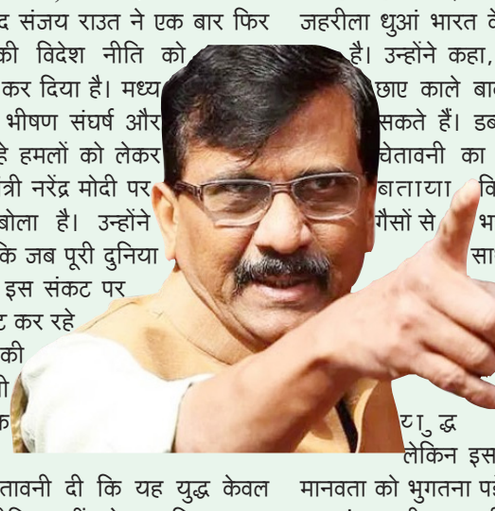

राउत ने चेतावनी दी कि यह युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका सीधा और घातक असर भारत के आम नागरिकों और पर्यावरण पर पड़ने वाला है। संजय राउत ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि ईरान पर हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों से उठा जहरीला धुआं भारत के लिए काल बन सकता है। उन्होंने कहा, 'ईरान के आसमान पर छाए काले बादल भारत पर कहर ढा सकते हैं। डब्ल्यूएचओ (WHO) की चेतावनी का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि यह धुआं जानलेवा गैसों से भरा है, जो हवा के रुख के साथ गुजरात, राजस्थान और पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्यों में तबाही मचा सकता है।' उनके अनुसार, युद्ध भले ही दूर हो रहा हो, लेकिन इसका खामियाजा भारतीय मानवता को भुगतना पड़ेगा।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति का जिक्र करते हुए राउत ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान इस युद्ध में सक्रिय भूमिका निभा रहा है और नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उसका स्वागत कर रहे हैं, वहीं भारत को 'खामोश' रहने का आदेश दिया गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'ऐसा लगता है जैसे ट्रंप तय कर रहे हैं कि पीएम मोदी केरल में प्रचार करेंगे या बंगाल में, लेकिन युद्ध पर बोलने की इजाजत नहीं है।' राउत ने सवाल उठाया कि खाड़ी देशों में भारतीयों की नौकरियां जा रही हैं और लोग मर रहे हैं, फिर भी सरकार चुप क्यों है? पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुई हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने ममता बनर्जी के रुख का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंगाल में अशांति फैलाने के पीछे बीजेपी समर्थक वर्गों का हाथ है।

राउत ने कहा, 'ममता बनर्जी अगर कुछ कह रही हैं, तो उसमें सच्चाई है। स्थिति गंभीर है और सरकार को इस पर राजनीति करने के बजाय जमीनी हकीकत को देखना चाहिए।' राउत के इस बयान ने महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली और बंगाल तक की राजनीति में एक नई बहस छेड़ दी है।

धर्म की बात करने वाले प्रधानमंत्री सबरीमाला विवाद पर क्यों हैं खामोश

राहुल गांधी ने पतनमतिट्टा रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी और एलडीएफ को घेरा तिरवनंतपुरम लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केरल के पतनमतिट्टा में आयोजित एक चुनावी रैली के दौरान बीजेपी और एलडीएफ सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे देशभर में मंदिरों और धर्म की बात करते हैं, लेकिन सबरीमाला से जुड़े विवादों पर चुप्पी साध लेते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने संबोधन में सबरीमाला मंदिर का मुद्दा उठाते हुए वामपंथी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि मंदिर की संपत्ति और पवित्रता के साथ खिलवाड़ किया गया है। राहुल ने आरोप लगाया कि अयप्पा मंदिर के सोने को बदलकर पीतल रख दिया गया, जो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ धोखा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और एलडीएफ के बीच कथित संबंधों को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के प्रभाव में केरल की एलडीएफ सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, जो लोग बीजेपी के खिलाफ आवाज उठाते हैं, उन पर हमले होते हैं और उनके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज किए जाते हैं। उन्होंने अपने ऊपर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके खिलाफ ३६ मामले दर्ज हैं, जबकि केरल के मुख्यमंत्री पर बीजेपी की ओर से कोई कार्रवाई या हमला नहीं होता। राहुल ने इसे दोनों दलों के बीच अंदरूनी गठबंधन का संकेत बताया। चुनावी रैली के दौरान राहुल गांधी ने यह भी कहा कि केरल की राजनीति में एक तरफ कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ गठबंधन है, जबकि दूसरी ओर एलडीएफ और बीजेपी एक साथ खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी राज्य में कांग्रेस को कमजोर करना चाहती है, क्योंकि वही

राष्ट्रीय स्तर पर उसे चुनौती देने की क्षमता रखती है। धार्मिक भावनाओं का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि जब सबरीमाला जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल से जुड़े विवाद सामने आए, तो बीजेपी ने राज्य सरकार के खिलाफ कोई ठोस रुख क्यों नहीं अपनाया। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी का इस मुद्दे पर मौन रहना कई सवाल खड़े करता है।

वसई-विरार में अवैध निर्माणों का बोलबाला, प्रशासन पर उठे सवाल

मनपा क्षेत्र 'फ' में नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माणों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

वसई विरार शहर मनपा प्रभाग समिति फ कार्यक्षेत्र के कामकाज, पेल्हार, वाकन पाडा, नवजीवन, धनिव बाग, विलाल पाडा, संतोष भवन व वरदी पाडा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण/अवैध निर्माण तेजी से बढ़ते जा रहे हैं जिसमें क्षेत्रीय नागरिकों का बहुतायत प्रमाण में विरोध होने के बावजूद इन अवैध निर्माणों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में नगरसेवकों के चुनाव के बाद भी उनकी समस्या जस की तस बनी हुई है।

चुनाव के समय इन्हीं नगरसेवकों द्वारा बड़े-बड़े वादे किए गए... अब समय बीतने के बाद ये सभी बातें सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गई हैं।

क्षेत्र में पहले की तरह अवैध निर्माणों का सिलसिला जारी है। इससे नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है।

प्रश्न यह उठता है कि सह आयुक्त विक्टर डिसुजा को विशेष आशीर्वाद प्राप्त है?

अन्यथा क्षेत्र में विकास के नाम पर तेजी से अवैध निर्माण कैसे हो रहे हैं?

वसई विरार शहर के महापौर अजीव पाटिल द्वारा अवैध निर्माणों पर पाबंदी लगाने का सख्त आदेश मनपा अधिकारियों को दिया गया था, लेकिन उसके बावजूद भी संबंधित अधिकारी क्षेत्र में अवैध निर्माणों को बढ़ावा दे रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार कई बार वरिष्ठ अधिकारियों एवं क्षेत्रीय नेताओं को इसकी जानकारी दी गई, लेकिन आज भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। बताया जाता है कि जिनेश पाटिल की कार्यशैली उनके उच्च अधिकारियों को पसंद नहीं आ रही थी, जिसके चलते उन्हें बार-बार स्थानांतरण का सामना करना पड़ा।

आगे क्या? क्षेत्र में ईमानदार व कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की कमी नहीं है, लेकिन भ्रष्टाचार व मिलीभगत के कारण अवैध निर्माणों पर लगाम नहीं लग पा रही है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या सख्त कदम उठाता है।

मुंबई स्मार्ट सिटी हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक युसुफ आदम पटेल द्वारा एस.आर पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कंपाउंड, गोडाऊन नं. 8,9,10 घरटन पाडा के पास, वैशाली नगर लास्ट बस स्टॉप, दहिसर पूर्व, मुंबई 400068, से छपवाकर रूम नं. डी १, हैप्पी होम सोसायटी, प्लॉट नं. ८७,म्हाडा मालवणी , मालाड(पश्चिम),जिला मुंबई- ४०००९५ से प्रकाशित किया
संपादक -युसुफ आदम पटेल मो. 9819967628 .RNI NO.:MAHHIN2015/64303 (सभी विवादों के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई होगा)